

● सुनो, पढ़ो और गाओ :

७. प्यारा देश

- हृदयेश मयंक

जन्म : १८ सितंबर १९५१ जौनपुर (उ.प्र.) **रचनाएँ :** मैं, शहर और सूरज, सायरन से सन्नाटे तक, अपने हिस्से की धूप आदि ।

परिचय : आप हिंदी के प्रसिद्ध कवि एवं लेखक के रूप में जाने जाते हैं । मंचों और गोष्ठियों में आपका योगदान सराहनीय है ।

प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत की विविधता एवं विशेषताओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने प्यारे देश का यशगान किया है ।



सुनो तो जरा

किसी अन्य भाषा में गाए जाने वाले देशप्रेम के गीत सुनो और साभिनय सुनाओ ।

गंगा जिसकी अक्षुण्ण धरोहर
यमुना-सा निर्मल मन जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

सबसे पहले सूरज आकर
रच जाता सिंदूर सुबह का
लाली किरणें चूनर बनतीं
भोर करे शृंगार दुल्हन का
हिमगिरि जैसा रक्षक जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

आसमान छूता मस्तक हो
सागर उठ-उठ चरण धरे
बाँहे हैं पंजाब, हिमांचल
हिम में गंगा जल लहरे
सोना-हीरा कण-कण जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

भाषाएँ खुद गहना बनकर
रूप निखारें इस दुल्हन का
हिंदी कुम-कुम बनकर सोहे
बाँकी बनती छवि दर्पण का
जन, गन, मन अधिनायक जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?



खेतों के रक्षक किसान
सीमाओं पर हैं तने जवान
राम-कृष्ण, अल्ला सबके हैं
पढ़ते सब गीता, कुरान
हर पुत्री सावित्री जिसकी
हर सपूत शिव-राणा जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

□ उचित हाव-भाव के साथ कविता का सामूहिक, साभिनय पाठ करवाएँ । किसी सैनिक/ महत्त्वपूर्ण व्यक्ति का साक्षात्कार लेने के लिए प्रेरित करें । अपने देश से संबंधित चार पंक्तियों की कविता करने के लिए कहें । अन्य प्रयाण/अभियान गीतों का संग्रह करवाएँ ।



मैंने समझा



शब्द वाटिका



नए शब्द

अक्षुण्ण = समूची, अखंड

धरोहर = अमानत

निर्मल = शुद्ध

सोहना = शोभित होना

छवि = सौंदर्य

सपूत = लायक पुत्र



खोजबीन

इस वर्ष का सूर्यग्रहण कब है ? उस समय पशु-पक्षी के वर्तन-परिवर्तन का निरीक्षण करो और बताओ ।

भूगोल सातवीं कक्षा पृष्ठ ७



विचार मंथन

॥ खेतों के रक्षक किसान, सीमा के रक्षक जवान ॥



वाचन जगत से

समाचार पत्र से बहादुरी के किस्से पढ़ो और संकलन करो ।

* गाँव/शहर का वर्णन चार पंक्तियों की कविता में लिखो ।



भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्य पढ़ो तथा मोटे और शब्दों पर ध्यान दो :



१. सर्वेश ने परिश्रम किया और इस परिश्रम ने उसे सफल बना दिया ।

२. मैं कर्ज में डूबा था परंतु मुझे असंतोष न था ।

३. प्रगति पत्र पर माता जी अथवा पिता जी के हस्ताक्षर लेकर आओ ।

४. मैं लगातार चलता तो मंजिल पा लेता ।

५. मुझे सौ-सौ के नोट देने पड़े क्योंकि दुकानदार के पास दो हजार के नोट के छुट्टे नहीं थे ।

उपर्युक्त वाक्यों में और, परंतु, अथवा, तो, क्योंकि शब्द अलग-अलग स्वतंत्र वाक्यों या शब्दों को जोड़ते हैं । ये शब्द समुच्चयबोधक अव्यय हैं ।

१. वाह ! क्या रंग-बिरंगी छटा है ।

४. अरे रे ! पेड़ गिर पड़ा ।

३. शाबाश ! इसी तरह साफ-सुथरा आया करो ।

२. अरे ! हम कहाँ आ गए ?

५. छिः ! तुम झूठ बोलते हो ।

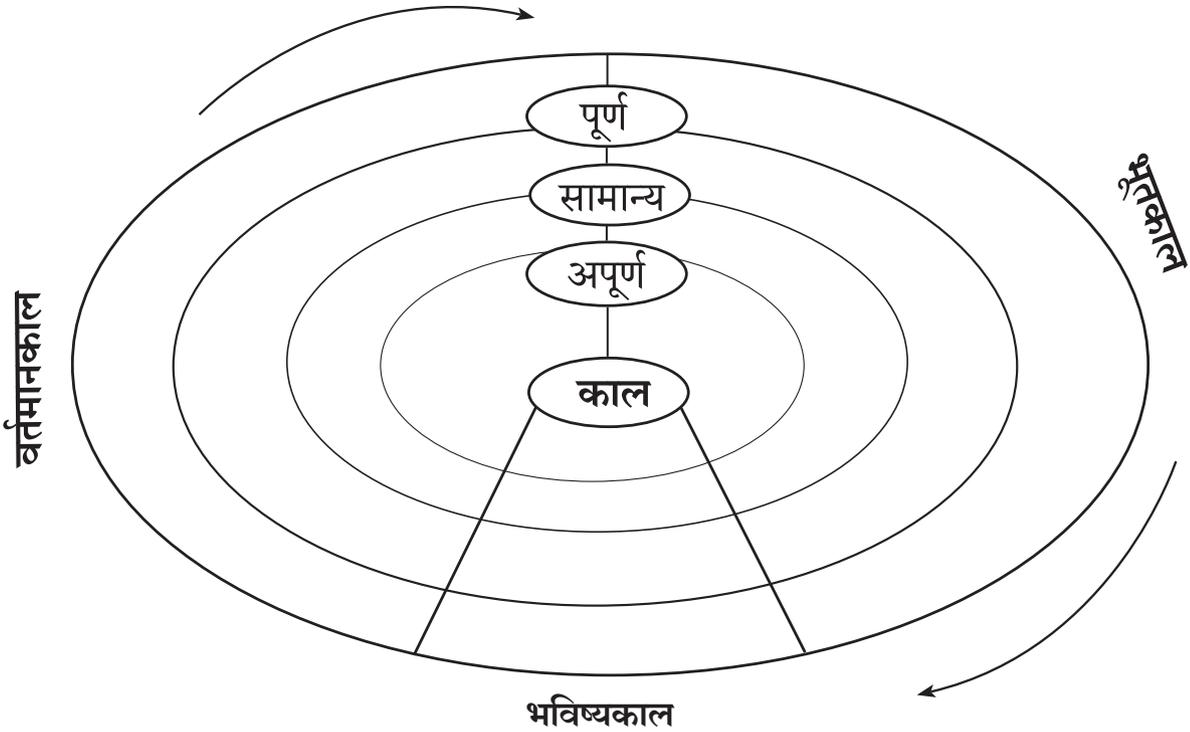
उपर्युक्त वाक्यों में वाह, अरे, शाबाश, अरे रे, छिः, ये शब्द क्रमशः खुशी, आश्चर्य, प्रशंसा, दुख, घृणा के भाव दिखाते हैं । ये शब्द विस्मयादिबोधक अव्यय हैं ।

अभ्यास-२

- ‘यातायात सप्ताह’ तथा ‘क्रीड़ा सप्ताह’ पर पोस्टर बनाओ और कक्षा में प्रदर्शनी लगाओ। (सामग्री- चित्र, चार्ट पेपर, समाचार पत्र, पत्रिका की कतरनें/ उद्घोष आदि।)
- दिए गए शब्द कार्ड देखो, पढ़ो और उनकी सहायता से सरल, मिश्र तथा संयुक्त वाक्य बनाकर कक्षा में सुनाओ। (एक शब्द कार्ड का प्रयोग अनेक बार कर सकते हो।)

रहा	घर	यह	सड़क	पानी	और
राष्ट्रीय	बाई	उदाहरण	का	बरसना	के
ओर	वहीं	दाई	भारत	जी	है
एकात्मता	हैं	कुआँ	उत्तम	देश	की

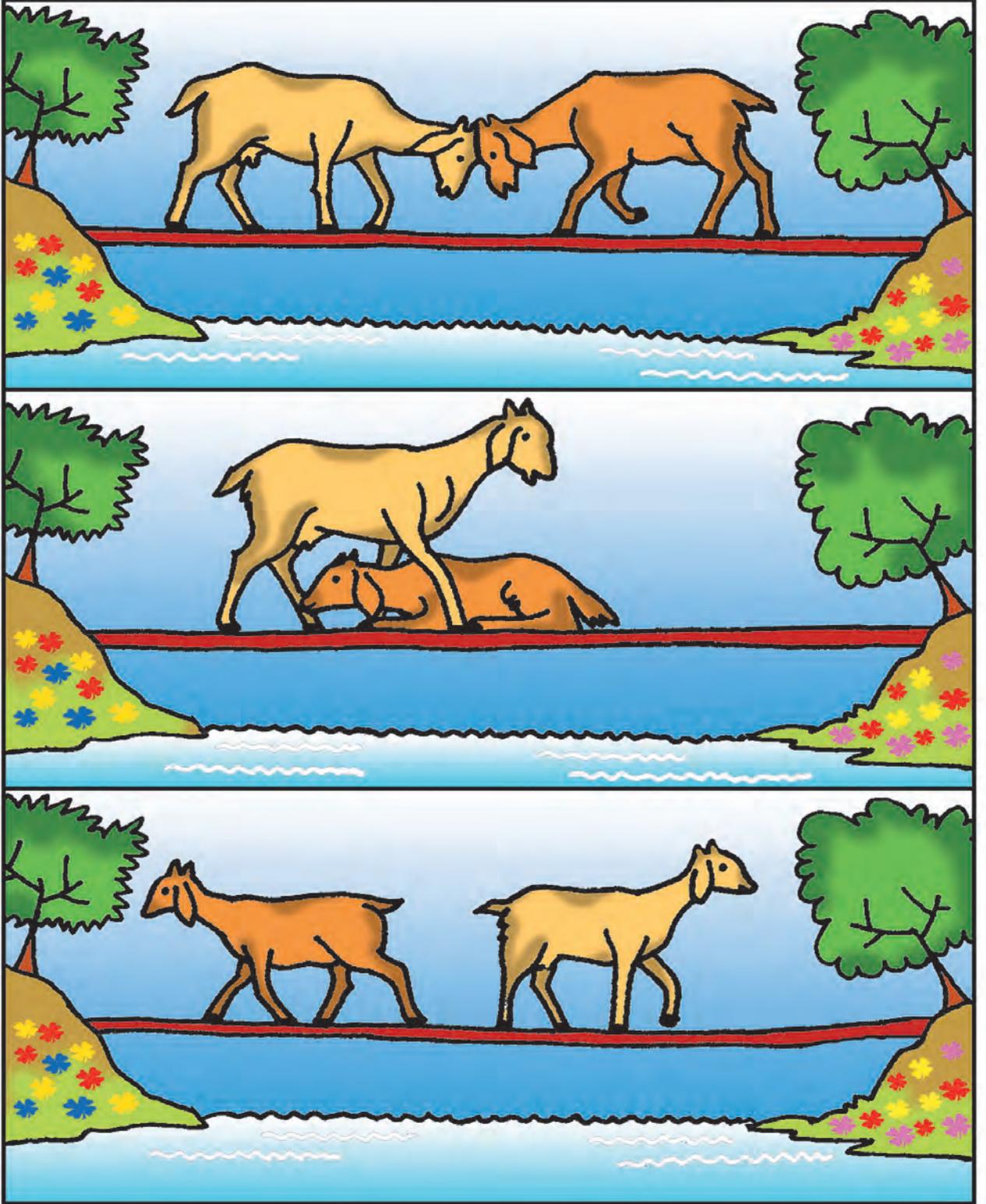
- ‘रमेश पुस्तक पढ़ता है।’ इस वाक्य को सभी काल में परिवर्तित करके भेदों सहित बताओ और लिखो।



- अपने आसपास दिखाई देने वाले सांकेतिक चिह्नों के चित्र बनाओ और उन्हें नामांकित करो।

अभ्यास-३

* चित्रकथा : चित्रवाचन करके अपने शब्दों में कहानी लिखो और उचित शीर्षक बताओ । अंतिम चित्र में दोनों ने एक-दूसरे से क्या कहा होगा ? लिखो :



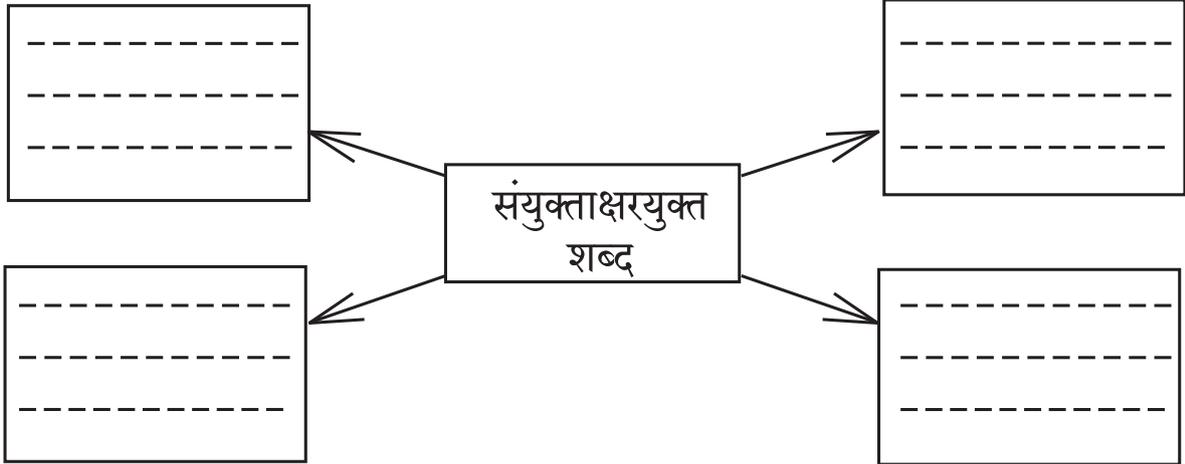
- विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराएँ । चित्र में कौन-कौन-सी घटनाएँ घटी होंगी, उन्हें सोचने के लिए कहें । उन्हें चित्रों एवं घटनाओं के आधार पर अन्य कहानी का आधुनिकीकरण करके लिखने के लिए प्रेरित करें और उचित शीर्षक देने के लिए कहें ।

पुनरावर्तन - २

१. निम्नलिखित शब्दों में कौन-से पंचमाक्षर छिपे हुए हैं, सोचो और लिखो :

शब्द	पंचमाक्षर	उसी वर्ग के अन्य शब्द
पंकज	-----	-----,-----
चंचल	-----	-----,-----
ठंडा	-----	-----,-----
संत	-----	-----,-----
पेरांबूर	-----	-----,-----
पंछी	-----	-----,-----
बंदरगाह	-----	-----,-----
उमंग	-----	-----,-----

२. पाठ्यपुस्तक में आए संयुक्ताक्षरयुक्त तीन-तीन शब्द ढूँढो। उनके संयुक्ताक्षर बनने के प्रकारानुसार वर्गीकरण करो। उन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो।



उपक्रम

प्रतिदिन किसी अपठित गद्यांश पर आधारित ऐसे चार प्रश्न तैयार करो, जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों।

उपक्रम

प्रतिसप्ताह विद्यालय की विशेष उल्लेखनीय घटना सूचना पट्ट पर लिखो।

उपक्रम

प्रत्येक सत्र में ग्राफिक्स, वर्ड आर्ट आदि की सहायता से एक-एक विषय पर विज्ञापन बनाओ।

प्रकल्प

हिंदी की महिला कवयित्री संबंधी जानकारी पर आधारित व्यक्तिगत अथवा गुट में प्रकल्प तैयार करो।

शिक्षकों के लिए मार्गदर्शक बातें

विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान को दृष्टि में रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों तथा विविध मनोरंजक विषयों के साथ यह पाठ्यपुस्तक आपके सम्मुख प्रस्तुत है। इसे स्तरीय (ग्रेडेड) बनाने हेतु दो विभागों में विभाजित करके इसका क्रम 'सरल से कठिन की ओर' रखा गया है। इस पुस्तक में विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव, घर-परिवार, परिसर को आधार बनाकर भाषाई मूल कौशलों- श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन के साथ-साथ भाषा अध्ययन और अध्ययन कौशल पर विशेष बल दिया गया है। पुस्तक में स्वयं अध्ययन एवं चर्चा को प्रेरित करने वाली रंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है।

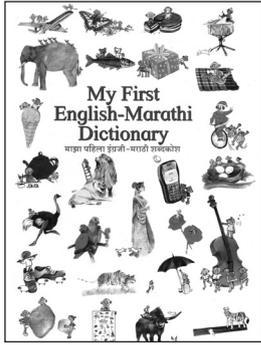
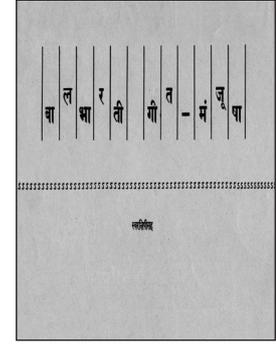
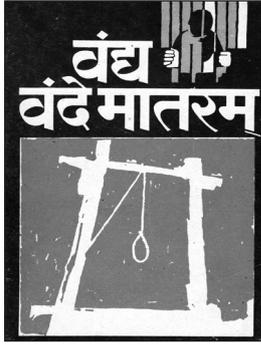
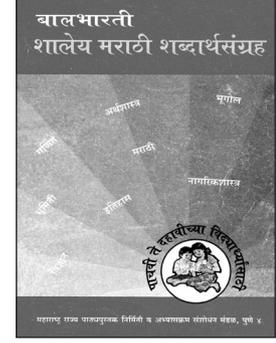
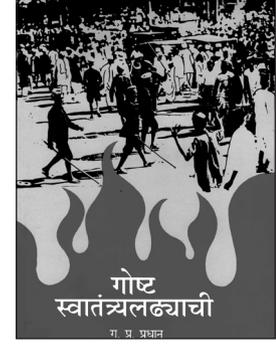
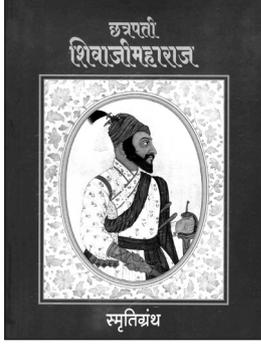
पाठ्यपुस्तक में आए शब्दों और वाक्यों की रचना हिंदी भाषा की व्यावहारिकता को ध्यान में रखकर की गई है। इसमें क्रमिक श्रेणीबद्ध एवं कौशलाधिष्ठित अध्ययन सामग्री, अध्यापन संकेत, अभ्यास और उपक्रम दिए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए लयात्मक कविता, बालगीत, कहानी, संवाद, पत्र आदि विविध विषय दिए गए हैं। इनका उचित हाव-भाव, लय-ताल, आरोह-अवरोह के साथ अध्ययन-अनुभव देना आवश्यक है। विद्यार्थियों की स्वयं की अभिव्यक्ति, उनकी कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने के लिए वैविध्यपूर्ण स्वाध्याय के रूप में 'जरा सोचो...', 'खोजबीन', 'मैंने समझा', 'अध्ययन कौशल' आदि कृतियाँ भी दी गई हैं। सृजनशीलता की अभिवृद्धि के लिए 'मेरी कलम से', 'वाचन जगत से', 'बताओ तो सही', 'सुनो तो जरा', 'स्वयं अध्ययन', तथा 'विचार मंथन' आदि का समावेश किया गया है। इन कृतियों को भलीभाँति समझकर विद्यार्थियों तक पहुँचाना अपेक्षित है।

अध्ययन-अनुभव देने से पहले पाठ्यपुस्तक में दिए गए अध्यापन संकेतों, दिशा निर्देशों को अच्छी तरह समझ लें। सभी कृतियों का विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ। इलेक्ट्रॉनिक संदर्भों (अंतरजाल, गूगल, संकेतस्थल आदि) में आप सबका विशेष सहयोग नितांत आवश्यक है। भाषा अध्ययन के लिए अधिक-से-अधिक पुस्तक एवं अन्य उदाहरणों द्वारा अभ्यास कराएँ। व्याकरण पारंपरिक रूप से नहीं पढ़ाना है। कृतियों और उदाहरणों के द्वारा संकल्पना तक ले जाकर विद्यार्थियों को पढ़ाना है।

पूरकपठन सामग्री कहीं पाठ को पोषित करती है और कहीं उनके पठन संस्कृति को बढ़ावा देती हुई रुचि पैदा करती है। अतः पूरकपठन आवश्यक रूप से करवाएँ।

दैनिक जीवन से जोड़ते हुए भाषा और स्वाध्यायों के सहसंबंधों को स्थापित किया गया है। आवश्यकतानुसार पाठ्येतर कृतियों, खेलों, संदर्भों, प्रसंगों का भी समावेश अपेक्षित है। आप सब पाठ्यपुस्तक के माध्यम से जीवन मूल्यों, जीवन कौशलों, मूलभूत तत्त्वों के विकास के अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करें। क्षमता विधान एवं पाठ्यपुस्तक में अंतर्निहित सभी क्षमताओं/कौशलों, स्वाध्यायों का 'सतत सर्वकष मूल्यमापन' अपेक्षित है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि शिक्षक, अभिभावक, सभी इस पुस्तक का सहर्ष स्वागत करेंगे।



- पाठ्यपुस्तक मंडळाची वैशिष्ट्यपूर्ण पाठ्येत्तर प्रकाशने.
- नामवंत लेखक, कवी, विचारवंत यांच्या साहित्याचा समावेश.
- शालेय स्तरावर पूरक वाचनासाठी उपयुक्त.



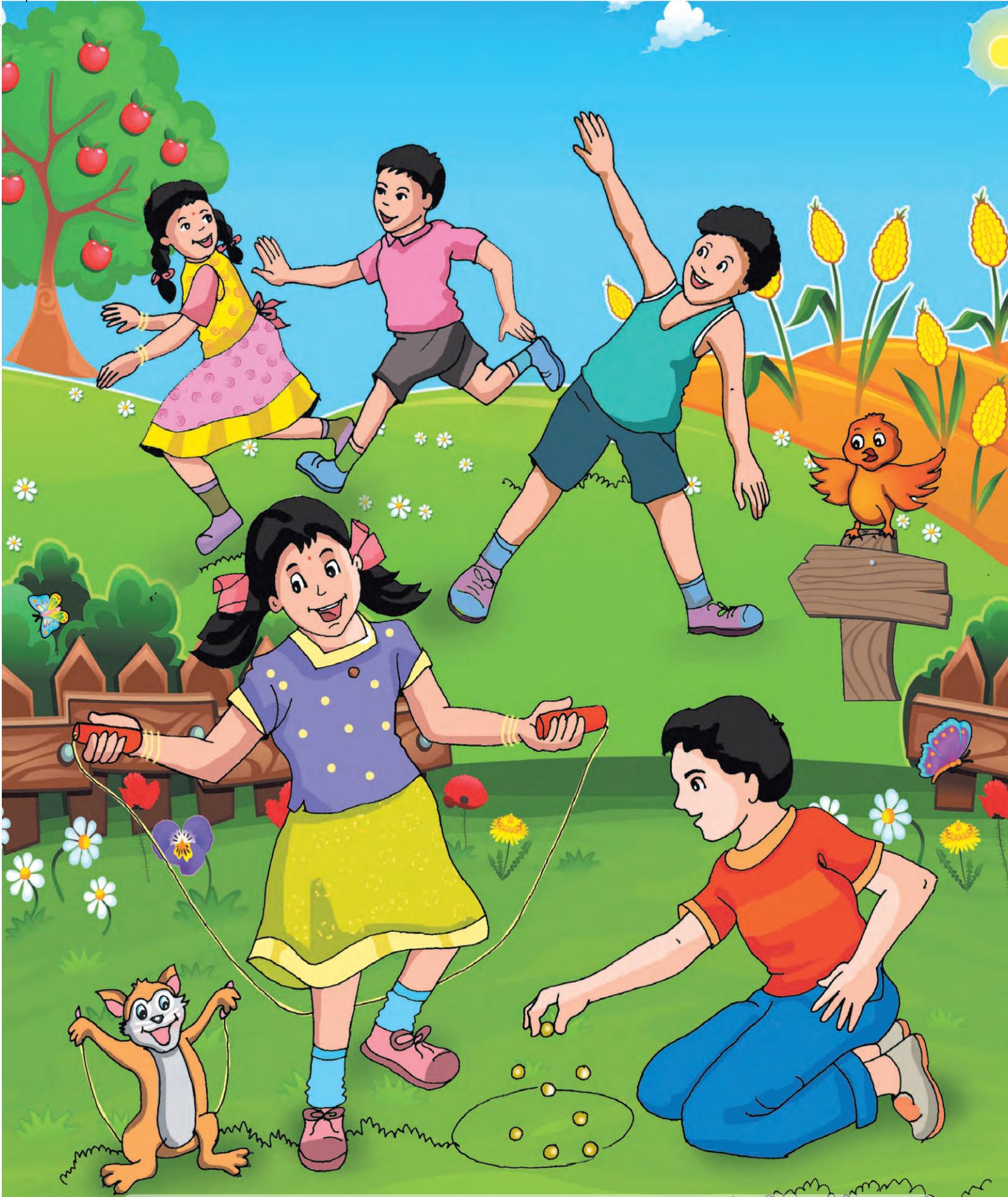
पुस्तक मागणीसाठी www.ebalbharati.in, www.balbharati.in संकेत स्थळावर भेट द्या.

साहित्य पाठ्यपुस्तक मंडळाच्या विभागीय भांडारांमध्ये विक्रीसाठी उपलब्ध आहे.



ebalbharati

विभागीय भांडारे संपर्क क्रमांक : पुणे - ☎ २५६५९४६५, कोल्हापूर - ☎ २४६८५७६, मुंबई (गोरेगाव) - ☎ २८७७९८४२, पनवेल - ☎ २७४६२६४६५, नाशिक - ☎ २३९१५११, औरंगाबाद - ☎ २३३२१७१, नागपूर - ☎ २५४७७१६/२५२३०७८, लातूर - ☎ २२०९३०, अमरावती - ☎ २५३०९६५



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी सुगमभारती इ. ७ वी

₹ 27.00